***hNeed to provide medical facilities to the labourers working in mining industry and crusher plants in Bundelkhand-laid**

**कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर):** मेरे संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली कबरई मंडी देश की ही नहीं एशिया की सबसे बड़ी पत्थर की गिट्टी की सबसे बड़ी मंडियों में से एक है। पत्थर की गिट्टी बनाते समय धूल और सिलिका बहुत अधिक मात्रा में आसपास के वातावरण की हवा में मिल जाते हैं, जिसका बुरा प्रभाव न सिर्फ क्रेशर मशीन प्लांट पर काम कर रहे मजदूरों पर पड़ता है। बल्कि आसपास रहने वाले लोगो के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। पर इन सबका सबसे तात्कालिक प्रभाव इन क्रेशर मशीन में काम कर रहे मजदूरों के स्वास्थ पर पड़ा है। धूल और सिलिका की अधिक मात्रा होने के कारण अधिकांश मजदूर सिलिकोसिस तथा न्यूमोकोनियोसिस इत्यादि साँस की बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। इन बीमारियों के कारण टी.बी. की बीमारी होने की संभावना भी कई गुना बढ़ जाती है। खनन और क्रेशर प्लांट में काम कर रहे अधिकांश मजदूर दिहाड़ी और असंगठित क्षेत्र के मजदूर हैं और उन्हें स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी का भी अभाव है। मेरी सरकार से मांग है कि बुंदेलखंड में इन मजदूरों का सर्वे कराकर इनको स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाए और बुंदेलखंड में सिलोकोसिस सहित स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों के ईलाज हेतु राज्य सरकारों के साथ मिलकर स्वास्थ्य सुविधाओं को उपलब्ध कराया जाए।